

लोका नंद शक्ति श

साम

वसिष्ठ गणेश च

नमो भगवते वासुदेवाय

१ ॥ गी जनसायनमा ॥ ॥ वक्रट्ट दमाहा कायः स
र्य कातिः समपुर्त ॥ अविद्य कूलमः देवः सर्व
कार्यः वृसा धयत ॥ १ ॥ मय वृद्धिः कथात्मः
शूका वृषत लाहृतीः वृष केन्याः मिथुनयाः क
केट स्पट्ट वं चमा ॥ २ ॥ सिंह स्याधिपती सूर्याः स

निर्मकन कूर्याः स्यान्मिन धविहम डिक्कः क
यितोः जन कोतर्म ॥ ३ ॥ मय नविः वृष न च दम
कन वमीह सतः केन्यायाः लाहिनीः पूतः शूक क
मय हृत् ॥ ४ ॥ सनि स कलायाम्बः धमि थूह
सिहिका सतः ॥ ५ ॥ उवा स फम गनिवाजाः

सर्वायादिवासक ॥ ७ ॥

॥ नमस्तस्मै ॥

म	व	नि	क	सि	क	त	वि	ध	न	रु	मि
अं	उ	व	य	स	व	ल	अं	व	अ	अ	व
मा	कु	ध	इ	य	ध	क	अ	ह	नी	नी	ह

॥ १३३ ॥ निवाति ॥

स	व	अ	व	व	हु	हा	ना	शह
म	व	म	क	क	मि	तु	मी	उव
व	व	क	ना	क	न	ला	थू	
तु	व	क	मि	म	क	म	व	निवा
ला	ति	क	न	क	ना	व	म	

गुरु	मिगु	सम	हातु
आदि	वीअव	वू	हुहा
वन्द	आदि वु	मैवहाहा	०
अंग	आर्वव	हुहा	वु

पुष	आ णु	अँवृ ण	व
वृहस	आ नँ अँ	ण	पु. णु
णु क	पु ण	अँव	आ नँ
हानि	पु णु	व	आ नँ अँ

क	म	मि	वृ	क	मि	मिगुषटकायूकः
कं	वि	म	वृ	ध	मि	यागहुरेकल
म	क	क	मि	वृ	मि	हागुषटकायूक
मि	क	म	वि	ध	गु	अहुरेकल

नवपंचमथाग ३४ संतानहानीः

म	वृ	मि	कु	सि	कं	तु	वि	ध	म	कं	मी
सि	कं	तु	वि	ध	म	कं	मि	मं	वृ	मि	क

द्वि द्वादशाथाग ॥ धनहानीः ॥

म	वृ	मि	कु	सि	कं	तु	वि	ध	म	कं	मि
वृ	मि	क	सि	कं	तु	वि	ध	म	कं	मि	म

शुक्रनाथ

धः आः उ द्वाः अः प्रः पूः अक्षिः हः मूः उ ह न शी
 स्वासि मृत् ॥ रुः मूः अः प्र द्वाः विः अ नूः पू र्वाः
 उ लाः म धा सं तान पि ज ॥ ३५ ॥ कृः गोः अ हः म
 स्वाः विः उ षाः हः गः अ व स्ती पि द्या ॥ ३६ ॥

॥ यदि हामया मालिक ग्रह त्वत् ॥

पूर्व	अश्लेषा	दक्षिण	नक्षत्र	पश्चिम	वाह	उत्तर	इह
आदि	हु	अ	जा	हा	वै	वु	व
दि	क	ग	ह	नी	दु	ध	ह

१ अहं उ म ग नू द
 २ क ख ग घ ङ ह वि वर्ज
 ३ च ङ ज म नू सि ह
 ४ ट ठ ड ढ ण रि व वा
 ५ न थ द ध न स प

थ डा वर्ज स र्षा हि शु
 हा या ना भ व या वर्ज
 स र्षा जा न य या थ
 ल्पा ख स ण हा स या
 वा कि दू गू सा ह वा यः

६ पङ्कवहम च्
७ यनलेय बला
८ हायसह इ

अर्थनिक्तसंश्लेष
अपादकयाः सह
यज्ञा ॥ ॥ ॥

मूजवाल अ ममिमम म यथाहति म
लिलाला ह मातति तु पू तुभुङ्क्त पू
म अदुउने इ ततापपी उ हहाजजि उ
डावाविवू जा पूवनय ह सिमूषषा इ
ह के म

धशु ३

१ वायु ३

संज्ञानहोती

१ मू ३

७ पश्चिम ३

शुष्कपित्त

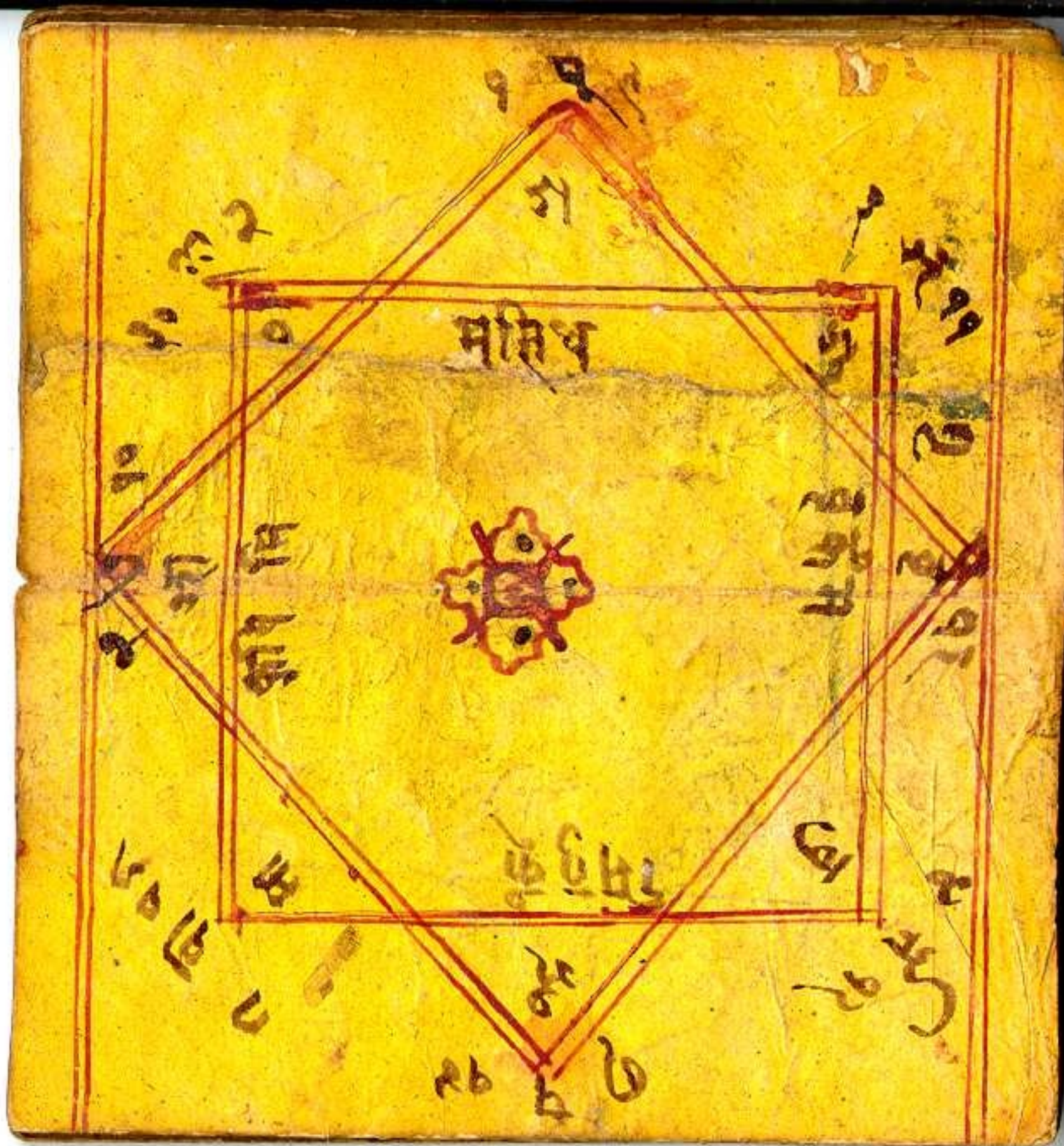
स्वादि अ

७ नमः ३

नादेष्टुय

वक्तु शानदुर्गतिस्त्रीः क्षान्तिश्च ज्ञाना गुह्यतया ॥ ॥

स्यामाः क्षान्तिश्च गुह्या शान ३ यथा गुह्यतया
गुह्य ॥ ॥



१८१२ कुरुपालयादायः कुरुपालपूजाः
 १९१२ आकासदेवतायादायः कामाग्निपूजाः
 २०१२ वाकदेवतायादायः जेतुतयमालधूपधनः
 २११२ वैद्यदेवतायादायः वनदेविपूजायायः
 २२१ आगमयादायदिगुदेवतायादायपूजायाय

२३१२ नागयादायः नागपूजाः दुर्गमपूजाः
 २४१२ जाग्नियादायः गुह्याः याग्नपूजावक्तव्य
 २५१२ सिकयादायः पशुदानयायमालः
 २६१ कालः लग्नयाकजुता जाकि तगुया कजुता
 सयः

आदिह्यज्वनलदसाह

१ आगदूषः हानिः।

२ धनहानी आगः।

३ सखजयधनलाहः।

४ आगदूषग्रासः।

५ क्षीपीदा आगः।

६ आगनासहुरुद्रलः।

७ दूषकृषि आगः।

८ आगदूषग्रासमृत्क

९ आगलाकगगुदूष

वैदुदसाहलः।

१ वस्तुलाहजनलाह

२ विवृमातनाशः।

३ सिल्लाहपूरलाहः।

४ ग्रासकृषि आगः।

५ व्याधीहलकः।

६ दूषः।

७ धनलाहमात्यः।

८ नरुआगः।

९ कृषि आगः।

१० कार्यसिद्धिजयः

११ मानलाहः

१२ जाजरुयसंतापः

अथ यदसाकृतः

१ जाजरुयहंगः

२ होनविघाटः

३ तजसीरुयनासः

४ उसादिहाकुवृद्धिः

५ जागपूजगदुहयः

६ मृत्तुहयधनहानी

१० कार्यसिद्धिः

११ मित्रलाहः

१२ स्त्रीपिदाः

वृषयादहमकृतः

१ मृत्तुहयहाकुः

२ जाजमान्यः

३ मित्रलाहः

४ धनलाहसूयः

५ स्त्रीप्रापिः

६ सूयहंगः

१ कूटो नागधनहान

८ डमकधनहानीः

९ जसशापितः

१० नाशः

बृहस्पतिदशमद्वल

१ कलहस्तीपिदाः

८ धनलाहसूचः

९ दृष्टिनागः

१० धनलाहशक्रनास

११ मित्रलाहः

१ अनरसुधनहान

२ मानलाहः

३ दूधसुतानहसुः

४ मूर्धपिदावृद्धः

५ धनलायपाफिः

१२ डमककलहः

शुक्रयादशमद्व

१ धनादिलाहः

२ अर्धनादिलाहः

३ धननाशः

६ दूषणशुद्धिः
७ धनलाहकल्याणः
८ माननाशशुद्धिः
९ कार्यसिद्धिः
१० अकल्याणः

११ सुखसुखनपापिः
१२ धनसुखीः
१३ अनिवारदसादृतः
१४ स्थानकशुद्धिः
१५ धनहानीदूषणविलः

४ लोपापिः
५ सुखपापिः
६ नोकशुद्धिः
७ लिपिदाः
८ लक्ष्मिपापिः

९ धर्मअर्थलाहः
१० धनहानीः
११ लिपुपापिः
१२ धनलाहसुखः
१३ नारुयादशुद्धिः

३ जुमि लाह सूयः

४ शक्रवृद्धि कलहः

५ दाघडत्यतिपूणिपिदा

६ विद्यालाहसूक्रनासः

७ पयदसगमनीहनः

८ सिपिदापयदसगमनः

९ धनहनपापवृद्धिः

१० किलीनाशधननासः

११ धनलाहशक्रनासः

१२ धननाशजागः

१ अलसिअक्रवृद्धि

२ जागपयदसगमन

३ धनलाहसूयः

४ कलहलागः

५ धननाशः

६ मिहलाहः

७ अलीसिजूयः

८ जागधनहानीः

९ धननाशः

१० सूयपाफिः

कतुयादहाऽमरुतः

११ धनेलाहः

१ अकसेतापहयः

१२ धनहीनः

२ धनहीनविधनः

३ वस्तुदिलाहः

४ अकसेतापः

५ अनादिनासः

६ वस्तुदिलाहः

७ सेतापहयः

८ धनहीनो जागः

९ विप्रहयः

१० अरुनादिनाडाः

११ जडापिः

१२ उभकसतापः

अरुनी॥ सल॥ दवजा॥ सलसल॥

हयुनी॥ प्रत॥ मनुष्य॥ किंति सल॥

कुफा॥ अरुनी॥ नाद॥ बालसल॥

अहिनी॥ हलूता॥ मनुष्य॥ नागसलः

मृगसिला॥ बालावा॥ दवजा॥ नागसलः

आदा॥ सर्पवा॥ मनुष्य॥ विवासलः

पृथ्वत् ॥ पलस्वी ॥ देवजा ॥ रुड सत्व ॥
गिष्यपूर्णकृश ॥ देवजा ॥ बल सत्व ॥
असलया ॥ कायवा ॥ नादृत ॥ हा सत्व ॥
मया ॥ मवाहा ॥ नादृत ॥ नृ सत्व ॥

पूर्वज्ञानी ॥ लाहवा ॥ मनूष्य ॥ नृ शत्व ॥
उग्रहागू ॥ लाहवा ॥ मनूष्य ॥ हा सत्व ॥
हला ॥ किसिवाहा ॥ देवजा ॥ म शत्व ॥
विज्ञा ॥ मसवावाहा ॥ नादृत ॥ हा शत्व ॥

स्वाति॥ दुवाहा॥ मनुष्य॥ मंडात॥

विमावा॥ ३॥ जादस जात॥ घुडात॥

अनूजाधा॥ हंसवा॥ देवजात॥ बलासत॥

जला॥ लावली॥ जादस॥ बलासत॥

मूला॥ ल॥ वा॥ जादस जात॥ खवात॥

पूर्वाधा॥ लिववा॥ मनुष्य॥ ६॥ सत॥

उग्राधा॥ लिववा॥ मनुष्य॥ माकसत॥

श्रवण॥ मनुष्य॥ देवजात॥ माकसत॥

चनला॥ पिचावा॥ जादस जा॥ तिघसत॥

सतीह ॥ दाह वा ॥ नाक सजा ॥ सल गत्व ॥
पूर्वतद ॥ कोपू वा ॥ सनू यजा ॥ सिधसः
उगुरुड ॥ कपू वा ॥ सनू य ॥ सा सत्व ॥
अचति ॥ चक वा ॥ द य जात ॥ किति सत्व ॥

कृति का ॥ उगुरुड ॥ उगु वा ॥ अदिन याद स
आहिनी ॥ हस्ता ॥ सर्वतः ॥ वंदु ना याद सता ॥
मृगा सिला ॥ विगा धन सता ॥ हति याद सता ॥
आडा ॥ सतीह या ॥ स्वाति ॥ नाह याद सता ॥

पूर्णवसुः विसायाः पूर्वतः बृहस्पतीयादसः
तियाः अनूजाः उदुदः सानेवजयादसः
असलषाः जस्ताः नवतीः बृधयादसः
मघाः मूलः अस्वनीः कतुयादसः

पूर्वफाः पूर्वाषाढः रजनी शुक्रयादसः
पुलाजिनी दसा जादसातिनच ॥ ॥

आनर्मेजा वृहस्पक ६० ॥ ॥ ॥ ॥

वर्ष १५४१२१०१२११४१२
म ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०

जो

४ १० ११ वि भागी दशा

आ नै मं जा वृ स वृ कं ३

वृ ४ ५ ४ १२ १० १२ १५ ४ १३

मास ० ८ ८ ० ८ ८ ४ ८ ४

जो ४ १० ११ २० ३८ ५० ६२ ६६ ८०

८ ४ ४ ० ८ ० ८ ०

६ ३ ११ ५१ ५५ ५५ ५५ ५५ ५५

आम नृ ६

कलिका आदि नृ ६ २॥

कमेले

शुभ्यदसावसे ४ को लूतल

शुभ्य — १२। १२ धनपती

बंदुमा — १४ लाज

होम — १२। २४ सकृदयवाधी

माह — ११। ६ जयलाज

बृहस्पती। ६। १२ धनधर्मलाह

सनिवरा। ११। १४ वधूकलाह

वृष — १६। २४ कृष्ण

कौतु

(५)

१२।२४ सतीपिका

हृक्

१०। जीवनाग

चंद्रमा का दत्ताय से ६ भूमा ८ अंतन

चंद्रमा

१६।२० चेतलाह

मंगल

१४।२० अतीपिका

शुक्र — १११२० कैला लाह

आदिन्य — १४१ सकृन्नास

होमदत्ता वष ४१८ का अंतन

हमि — १२१८ ठिकलहनगुजाश

गोह — ११८११२ अग्नीहयसकृहय

वृहस्पति — ११११४ धर्मवित

सनिश्चन — १८१२६ स्वकपीदा

वृध — १११२८ यमिअग्नीहय

कतु — १३१८ महत्तहय

हृक — १२११० डवकय

आदिभ्य — १२१२४ सत

चैत्रमा — १४१२० धनलाहः ३ धनलाहः

सनि अत्रकादसावर्ष १२१६ का अत्र

सनि — २१२ प्रिपुषुविग्रहजाग

वृद्ध — ११२११६ सोडवा

कतु — १८१२६ रुथ

शुक्र — २११११० धनमिहलाह

शुभ्य — १११६ तलिजलतस

मंथु — १११२० गमन

गम — १८१२६ अजापिदा

जाहू — १।१०।२४ वात जाग्रहय

बृहस्पती — १।८।८ सूचधनमिहलाह

जाहू दसापथ १२ को अंतन

जाहू — १।१।१८ मित्रचनवधुधनह नाम

गुन — १।१।६ धनधमिलाह

सनि — १।१०।२४ कश्चुप्रापि

वृध — १।८।१२ अशुलाह

कंठु — १।८।१२ सक्तुहय

गुन — २।१।११ सितक

आदिन — १।१।६ धनलाह

वेनु १११ ज्ञानधनकथ

होम ११८१२२ विषयकथ

वृद्धदसावर्ष १११४ का अंत

वृद्ध १११८ धनधर्मलाह

कंतु १११२८ महंतकथ

शुक्र ११११०१ सिधनलाह

सूर्य १११२४ मानधनलाह

वेनु ११११०१ सिधकथ

मंगल १११२८ श्री अंजीकथ

जाह्न ११८११२ मानधनहान

बृहस्पति — १।६।४ सोडय

सति — १।२।१६ वृषी

बृहस्पति को दत्ता १०।६ का भर्तृ

शुक्र — १।१।२ पूरुलाह

सति — १।८।६ कलह

बृहस्पति (K) — १।६।४ सोडय

कुरु — १।०।१४ शुभता

शुक्र — १।२।१० सुरुहय

सूर्य — १।६।१२ मानलाह

बृहस्पति — १।१०।२० वनलाह

मंगल १७।१४ चनलाह

नारु ११।७।६ यलविद्याहानी

कहु दहावर्ष ४ मनाह को अंतज

कहु ११।८ हिसकविग्रह नू

गुफ १२।१० वाफ सगम

सूर्य १२।२४ जाजहय

नरु १४।२० मधनरुल

मंगल १३।८ मिगुविलाल कल

नारु १८।१२ पूछापि का

गन १०।१४ पुछलाह

शानि

१८१२६ जागपद

बुध

१२१२८ सुखलागपद

१ मंगलदसामा ११ अंतन

मंगला का अंतन ०१०११० दुषलाह

पिंगला ०१०१२० जाजमान

र्वत्या ०१११० वपात्रवगुलाह

जामती ०११११० सीलेललाग

होडका ०१११२० धनलाह

डल्का १२१ सोकरय

सिक्का १२।१० पूरुलाह

संकटा ०।२।२० ननुतिनलाग

पिंजला कादसामावस्य २ अंरुन

पिंजला १।१।१० धुयकलह

धन्या १।२। लिननामजय

जामनि १।२।२० हानगमनजाग

रुडिका १।३।१० निगुलाह

उलका १।४। धनका

सिद्धा १।४।२० सोमाग

संकटा १।५।१० जात्रहय

मैंगला

११२० अस्तलाह

११२१ अस्तलाह

११२२ अस्तलाह

१३१ सूयजयवसुसुलाह

११२३ अस्तलाह

१४१ वाटजाग

११२४ अस्तलाह

१५१ दिवलाह

११२५ अस्तलाह

१६१ कलह

११२६ अस्तलाह

१७१ जाजमान्य

११२७ अस्तलाह

१८१ लिपिदा

११२८ अस्तलाह

१९१ जाजमान्य

११२९ अस्तलाह

२०१ सफनास

ग्रामनीदसावर्ष ४ का अंत

ग्रामनी १५।१० हाने ग्रामनीसुपिदा

रुद्रिका १६।२० पूरुलाह

उलका १७। सानिलीपिदा

सिद्धा १८।१० अहनेनलाह

संकटा १९।२० जाजहथ

संगला १९।१० नलेलाह

पिंगला २०।२० सानिलीपिदा

पंच्या २४। सहनास

रुद्रिकादसावर्ष ५ का अंत

होइका १८१९० वनलाहजाजमान

डलका १९० लोज

सिद्धा १९१२० धर्ममती

संकटा ११९१९० पिसती

मंगला १९२० सूय

पिंगला १३१९० वनलाह

धन्या १५१ पतलाह

शामती १६१२० सिद्धक

डलका दहा वर्ष ६ को भूतज

३३ डलका १११ वेधन जाय धनलन

सिद्धा	१।२। जाजमान
सैकता	१।४। सनिल जाग
मंगला	१।२। जाजमान
पिंजला	१।४। अस्की लाह
धन्या	१।६। सुख

गामनी	१।८। दया त्याग
होडका	१।१०। यहुवना गम
सिंधादसा को वर्यत	१।१०। अंतज
सिद्धा	१।४। १० कार्यसिद्धि मानलाह
सैकदा	१।६। २० यधन हथे

मंजला ०२११० नाना धन लाह

पिंजला ०१४१२० वरु लाह

धन्या ०४७१ दस लाह

गामनी ०१२११० जात्रा प्राप्ति

रुडिका ११११२० सूख

उलका ११२१ दलवल

संकटादसावर्ष का अंगज

संकटा ११२११० दस नासनाजरुखः

मंजला १२१२० धन लाह

पिंजला १५११० वरु नास

धंत्वा ————— । ताति यत्तन

ग्रामनी ————— । १०। २०५ सजसुन

रुदिका ————— १। १। ५० सूच

उलका ————— १। ४। सा रा गा ग

सिद्धा ————— १। ६। २०। सि लाह

आ नै मी वू वृ डु स ॥ वाज

असू असवाह असू उगा सत ओ वधन लाह

ह ओ न भा ५ २३ चि कि मा या तिन

सम्बत १९९८ आश्विन कृष्ण द्वितीया

जा नै मे तु पु सु स ॥ वाजः

अ म अशा ह अन उ जा स ह आ व ध न ला ह
भ आ म वि ज्ञे श प कार भ य दाः
कृ पू पू सा म श उ पू इ सु य नाः

जा ति उ वि पू ध	ज पु ध ध न ला ह
मृ भ ह अ उ स	अ स धि स स नाः
आ म वि ज्ञे श प	भ धं ध री ग दाः
पू पू सा म श उ	कृ ध त ल हि ला ह
ति उ वि पू ध ज	जा शी ण स भ दाः

अ ह भ उ स भ सुव २ आ ज दाः
न वि ज थ पू भ आ सु १० ह य दाः
पू सा म श्र उ क पू दा ११ मि शु सा हः
उ वि पू च ज आ ति मि १२ श्री ला रुः

ह भ उ स भ म ज सा १३ सर्व सिद्धिः
वि ज थ पू भ आ म पु १४ स ध्या मः
सा म श्र उ क पू पू लै १५ क्ष य दाः
वि पू च ज आ ति उ उ १६ मि शु दाः
अ उ स भ म अ ह सु १७ सु रु दाः

अथ प्रथम आसवि का १८ कार्यनाम
मू श्रुतं पु पु स्वा ति १२ सर्वसिद्धिः
पू प जाति उ वि सु २० सहदाः
उ स भ म भ ह भ भ २१ असृजः

अथ प्रथम आसवि आ मू २२ आ गदाः
अ उ क पु पु स्वा मू ग २३ कालदाः
प प जाति उ वि पु मा २४ गजला
स भ मू म ह भ उ रा २५ पानला

पुम आसवि अं शु च २६ न्वल कः ।
उ क पू प साम् प्रथि २७ थि न कः ।
न नानि उ वि पू ध वृ २८ वृ वसि मि

आर्यमं वृष्टु शुभ ॥ वाज

१ शुक्र कौ दसा वस १३।४ का अत न दसा

शुक्र २।२।२० धन लाहः

आदिह १८। सुहृथ

वी दुसा १।१।१० य वि लाहः

होम १२।१०। ला ला धन लाह

(८)

नाह २॥ जलहय
 बृहस्पति १॥२॥१० धर्मिलाह
 मनोऽज २॥१॥१० ग्रामलाह
 बृह १॥१०॥२० धनलाह
 कर्तु १॥२॥१० माहावाक्षी

दिवायः
 मगः लजामः
 मगः अखमः
 दिवायः
 मगः लजामः
 मगः अखमः
 दिवायः
 मगः लजामः
 मगः अखमः

मधमः

वसः लगन

दिसलः अरुमः

मधमः

दिसल अरुमः

वसः लगनः

मधमः

दिसलः लगन

दिसल अरुमः

अरुमः

वसः लगनः

दिसलः अरुमः

अरुमः

दिसलः लगनः

दिसलः अरुमः

अरुमः

दिसलः लगन

वसः अरुमः

१
 दिव्योऽगोऽह
 मः ॥ २ ॥
 मः ॥ ३ ॥
 ॐ ॥ ४ ॥

क	ग	न	म	सिलः
प	र	त	ल	ललातः
य	क	र	स	पातः
ध	म	र	रू	मिथाः
प	र	रू	पू	वसतः
थ	क	र	स	देतः
य	म	र	रू	पाथ
ध	म	र	रू	अतः
प	र	रू	पू	थी
थ	क	र	स	ललाः
य	म	र	रू	काय
ध	म	र	रू	जजा

ॐ ॥

क्रासः दूदः नं क्रुः आहातः नृगलः पथः
पात्रीः पागः पवीः अतथि लसामीः
साजात ॥ ❀ ॥

॥ लज्जनमानादित भुक्तिभिहतीः खाग्नीभा
गतमानसोदित ॥ अम अंक अर सैलभाः

जितः लज्जनमान बुभ भोगे वदितम् ॥ ॥ ॥

॥ रसिक दशा २१६ मिमी ॥

॥ नव वद दशा २४२ पृष्ठ ॥

॥ पक्ष्या भुरासा ३० २ मिमी ॥

॥ कृत वद रासा ३४४ कृष्ण ॥

॥ नवादि रागाः ३४२ सिः वि ॥

॥ सवेद रागाः ३४० : कीः नु ॥

॥ मेयादि टोवा दट टो वि लो मा त् ॥

शुभ कार्यः विवाहः नृज एतदीधः अशुभ कार्यः
वेध पारि नगर्तः पापग्रह नृज भया को नक्षेत्रा

पति नगर्तः

	क	ऐ	स	आ	उ	ति	अ	
म								म
र								र
ग								ग
घ								घ
ङ								ङ
च								च
छ								छ
ज								ज
झ								झ
ड								ड
ढ								ढ
ण								ण
त								त
थ								थ
द								द
ध								ध
न								न

शोथायेत वोनेऽ

रुपां चाकार्ये ५

वं वसुदेव्यहाः

चाकेले

वं वज्रोद्वायेस्वहाः २

चिकनिसधुने

वं

सरित्वया नाना नास
ला पृथिवी
हि जल
गर्भि अग्नी
सा श-वायू
मन-आकाश

(K)

आत्मनस कृति

606

ASMA ARCHIVES